भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 589 का उत्तर

नडाल में रेल उपरि पुल का निर्माण

589. श्री के. सुधाकरन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कन्नूर में कन्नूर-थालास्सेरी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित नडाल में रेल उपरि पुल के निर्माण के लिए जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हर बार रेलवे फाटकों को बंद करने पर उनके दोनों ओर कई किलोमीटर तक भारी यातायात जाम हो जाता है, जब तक कि तीन या चार रेलगाड़ियां गुजर नहीं जाती हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच कराई है और यदि हां, तो यातायात की भीड़-भाड़ को कम करने और यात्रियों को राहत प्रदान करने के लिए रेल उपरि पुल का निर्माण करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): पालक्काड मंडल के कोझिकोड-कन्नूर खण्ड में, किलोमीटर 743/100-200 पर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) सं. 66 पर समपार सं. 238 (नडाल गेट समपार) स्थित है।

रेल मंत्रालय और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग

प्राधिकरण को अपनी लागत पर राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी समपारों को उपरि/निचले सड़क पुलों एकल निकाय के आधार पर बदलना है।

रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और राज्य प्राधिकरणों के साथ संयुक्त निरीक्षण पहले ही कर लिया गया है। सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। तदनुसार, एनएचएआई द्वारा समपार संख्या 238 के स्थान पर 6-लेन उपरि सड़क पुल का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

किसी भी उपरि/निचले सड़क पुल संबंधी कार्यों का पूरा होना पहुँच संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) की मंजूरी, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण हटाना, अतिलंधनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से वैधानिक मंजूरी, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण विशेष परियोजना/कार्य स्थलों के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजनाओं/कार्यों के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

*****